

## Facebook

### Workshop cum Orientation on Mental Health @ SBPS

A workshop cum orientation programme on mental health was organised for all the teachers in the premises of Sarala Birla Public School. The workshop started with the need and importance of counselling and psychotherapy in schools. It also dealt with the various mental and common behavioural problems faced by the students in India. Further the basic values and principles of social life were discussed followed by a discussion of various mental health concepts and causes of mental illness. The stigma reduction strategies, suicide evaluation, its prevention and management was also discussed in the session.

School Head Personnel and Admin Mr. Pradip Varma said that such workshops help the teachers to understand the students better and make the teachers more efficient in dealing with the mental issues of students.

School Principal Mrs. Paramjit Kaur said that such workshops facilitate workforce development enhancing the primary care of students in school successfully and effectively.

### सरला बिरला पब्लिक स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला सह ओरियंटेशन प्रोग्राम

सरला बिरला पब्लिक स्कूल परिसर में शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर एक कार्यशाला सह ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत विद्यालय में परामर्श एवं मनोचिकित्सा के महत्व पर चर्चा की गई। इसके अलावा भारत देश में छात्रों में होने वाली विभिन्न मानसिक एवं व्यवहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई। विभिन्न मानसिक बीमारियों, उनके कारणों एवं मानसिक स्वास्थ्य तथा हमारे समाज में व्याप्त आधारभूत सिद्धांतों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यशाला सत्र के अंतर्गत आत्महत्या की बढ़ती हुई प्रवृत्तियों पर विश्लेषण, इससे बचाव एवं प्रबंधन पर भी परिचर्चा की गई।

स्कूल के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख श्री प्रदीप वर्मा ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन कराने से शिक्षकों को बच्चों को और बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिलती है जिससे वे बच्चों की मानसिक समस्याओं से अवगत होने के साथ-साथ उन्हें इससे निजात दिलाने में भी मददगार साबित हो सकते हैं।

स्कूल की प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएँ स्कूल में बच्चों की प्राथमिक देखभाल के साथ-साथ शिक्षक द्वारा उन्हें और बेहतर तरीके से समझने में सहायक होती हैं।